



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 24]
No. 24]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 17, 2003/वौश 27, 1924
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 17, 2003/PAUSA 27, 1924

बाणिज्य एवं उद्योग पंचालय

(बाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 जानवरी, 2003

विषय: चीन जनवादी गणराज्य भूल अथवा वहां से निर्यातित नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जनवरी - प्रारंभिक जांच परिणाम

...

सं. 14/27/2002-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1976 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 को ध्यान में रखते हुए ;

क. प्रक्रिया

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:-

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को नियमावली के अधीन घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स एवरेडी इंडस्ट्रीज इंडिया लिंग, कोलकाता की ओर से लिखित याचिका प्राप्त हुई है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) मूल अथवा वहां से निर्यात की गई नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है।

(ii) प्राधिकारी ने उक्त नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए पाटन संबंधी आवेदन के प्राप्त होने की सूचना भारत में चीन पी आर के दूतावास के उच्चायोग को दी ।

(iii) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची-1 के अंतर्गत नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ करते हुए दिनांक 09 सितम्बर, 2002 को भारत के राजपत्र, असाधारण में एक सार्वजनिक सूचना जारी की ।

(iv) प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उद्योग एसोसिएशनों तथ शिकायतकर्ता को कथित सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया ।

* (v) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6 के उपनियम 3 के अनुसार याचिका की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के भारत स्थित दूतावासों को भेजी ।

(vi) प्राधिकारी ने संगत सूचना प्राप्त करने के लिए चीन पी आर के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी ।

- मैसर्स गुआंगजी वुज्हाऊ सिटी लाइट इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स 1/ई कोर्प, चौथी मंजिल, 88 बेथुआं रोड, वुज्हाऊ गुआंगजी, चीन
- मैसर्स ए एल के इंटरनेशनल, फ्लैट एफ, 3/एफ, फार ईस्ट मैशन, 5-6 मिडिल रोड, टीएसटी काउलून, हांगकांग ।

उपरोक्त किसी भी निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का जवाब नहीं दिया है ।

(vii) नई दिल्ली स्थित चीन पी आर के दूतावास को भी जांच आरंभ होने की सूचना दी गई और उनसे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली भर कर भेजने का आग्रह करने का अनुरोध किया गया । मैसर्स गुआनकसी वुज्हाऊ बोई ट्रेडिंग लिंग, गुआनकसी, चीन पी आर ने याचिका का जवाब दिया था । मैसर्स गुआंकसी वुज्हाऊ बोई ट्रेडिंग लिंग गुआंकसी, चीन पी आर ने निर्यातक प्रश्नावली भेजने के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया जिसे प्राधिकारी द्वारा मान लिया गया ।

(viii) विदेश व्यापार मंत्रालय, (एमओएफटीयू), बीजिंग, चीन पी आर सरकार को भी जांच आरंभ होने की सूचना दी गई और उनसे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली भर कर भेजने का आग्रह करने का अनुरोध किया गया ।

(ix) संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित उपयोगकर्ताओं/आयातकों को प्रश्नावली भेजी गई थी :

1. मै0 एस0के0 ट्रेडर्स, फरीदाबाद
2. मै0 संस्कृति इंटरनेशनल, दिल्ली
3. मै0 प्रत्यक्ष इंटरनेशनल, नई दिल्ली
4. मै0 साई ट्रेडिंग कंपनी, नई दिल्ली
5. मै0 डी.पी. ट्रेडिंग कंपनी, कोलकाता
6. मै0 लक्ष्मी सेल्स कारपोरेशन, फरीदाबाद

(x) प्राधिकारी ने उसके द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा ।

(xi)*** यह चिह्न इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई और प्राधिकारी द्वारा नियमों के अंतर्गत वैसी ही मानी गई सूचना का द्वातक है ।

(xii) इस जांच में 1 जुलाई, 2001 से 31 मार्च, 2002 की अवधि शामिल है ।

(xiii) याचिकाकर्ता से क्षति से संबंधित अतिरिक्त विवरण मांगा गया था जो प्रस्तुत भी किया गया था ।

(xiv) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योगों की आवश्यक समझी गयी सीमा तक मौके पर जांच की ।

(xv) याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना पर आधारित सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांत के आधार पर भारत में संबद्ध माल की निर्माण और बिक्री लागत तथा उत्पादन की इष्टतम लागत निकालने के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत का भी विश्लेषण किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घरेलू उद्योगों को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा ।

(xvi) जांच शुरूआत संबंधी अनोटिस की प्रतियां फिक्की, सी आई आई, एसोचैम आदि को व्यापक प्रचालन के लिए भेज दी गई थीं ।

(ख) याचिकाकर्ता के विचार:

3. याचिकाकर्ता, मै0 एवरेडी इंडस्ट्रीज इंडिया लि�0, कोलकाता ने अपने अनुरोधों में निम्नलिखित बिंदु उठाए हैं :-

(i) वर्तमान याचिका में जांचाधीन उत्पाद नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट है जिसे टार्च के नाम से भी जाना जाता है । फ्लैशलाइट मुख्यतः दो भागों में बंटी होती है अर्थात् मैटल तथा प्लास्टिक । मैटल भाग आगे दो और उपभागों में बंटा होता है अर्थात् ब्रास तथा नॉन ब्रास । नॉन ब्रास मैटल टॉर्च तथा प्लास्टिक किफायती श्रेणी में आती है । सामान्यतः नान ब्रास टार्च एल्यूमिनियम तथा शीट मैटल की बनी होती हैं । बेहतर गुणवत्ता के कारण भारतीय विनिर्माता सामान्यतः एल्यूमिनियम टार्च का विनिर्माण करते हैं हॉलांकि लागत एक समान होती है । ब्रास फ्लैशलाइटों की लागत व कीमत नॉन ब्रास फ्लैशलाइटों से काफी अधिक होती है । चीन से पाटित आयातों के कारण नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट का बाजार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है । प्लास्टिक फ्लैशलाइट का आयात अधिक नहीं है । वर्तमान याचिका में प्लास्टिक फ्लैशलाइट का आयात सम्मिलित नहीं है । वर्तमान याचिका नॉन-ब्रास मैटल फ्लैशलाइट के विरुद्ध है ।

(ii) यद्यपि याचिका के वर्तमान विषय क्षेत्र में संबद्ध मर्दों के संघटक सम्मिलित नहीं हैं तथापि संबद्ध माल का आयात सेमी-नॉन डाउन कंडीशन पर याचिका के विषय क्षेत्र में सम्मिलित है ।

(iii) यह उत्पाद विशेष सीमाशुल्क वर्गीकरण के तहत वर्गीकृत नहीं है, क्योंकि कुछ अपवादों को छोड़कर सभी प्रकार की फ्लैशलाइटें, एक वर्गीकरण के तहत वर्गीकृत हैं । याचिकाकर्ता ने सूचना गैण लोतों से एकत्र की है, जिसमें अन्य बोतों के साथ-साथ आयात की जा रही फ्लैश लाइटों का दर्जन भी शामिल है । यद्यपि भारत में 2-सैल तथा 3-सैल दोनों बैटरियों का आयात किया गया है, तथापि अधिकांश आयात 2 बड़े सैल वाली श्रेणी का है । याचिकाकर्ता ने उसके द्वारा किए गए फ्लैशलाइट के विभिन्न प्रकारों के उत्पादन तथा बिक्री की विवरण भी संलग्न किया है । यह देखा जाएगा कि 3 बड़े आकार के सैल वाली फ्लैशलाइट का उत्पादन (तथा बिक्री) बहुत ही सीमित है । आयात की भी वही प्रवृत्ति है । फिर भी, याचिकाकर्ता ने हो रहे आयातों के आधार पर, आयातों को तीन श्रेणियों में बांटा है (क) 2 बड़े सैल (ख) 2 छोटे सैल (ग) 3 बड़े सैल । यद्यपि याचिकाकर्ता ने आयात सूचना में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर आयातों को इन तीन श्रेणियों में बांटा है, तथापि याचिकाकर्ता का कहना है कि (क) चीन से अधिकांशतः आयात 2 सैल श्रेणी का होता है (ख) आयात इतनी कम कीमतों पर होता है कि यदि तीनों श्रेणियों की अधिकतम कीमत भी ली जाए तो पाटन मार्जिन काफी अधिक होता है ।

(iv) वर्तमान याचिका मैसर्स एवरेडी इंडस्ट्रिज इंडिया लिंग द्वारा दायर की जा रही है जिसका मुख्य कार्यालय, कोलकाता तथा प्लांटउत्तर प्रदेश में लखनऊ में है । याचिका को भारत में संबद्ध माल के लघु उद्योग उत्पादकों का समर्थन प्राप्त है, हालांकि याचिकाकर्ता अकेला ही नियमावली के तहत वांछनीय आवश्यकताओं की पूर्ति करता है । भारत में संगठित क्षेत्र में संबद्ध माल के दो उत्पादक हैं । ये हैं, एवरेडी तथा शेखानी (जिसे जीप के नाम से भी जाना जाता है) संगठित क्षेत्र में इन दो कंपनियों के अतिरिक्त बहुत सी ऐसी लघु इकाइयां हैं जो फ्लैशलाइट का उत्पादन करती हैं जिनका सामूहिक उत्पादन 5,00,000 फ्लैशलाइट प्रति वर्ष से अधिक नहीं है ।

(v) जैसाकि पहले भी बताया जा चुका है कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाइट तथा चीन पी आर से आयातित नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाइट की विशेषताओं में कोई खास अंतर नहीं है । भारत में याचिकाकर्ता तथा चीन में उत्पादक नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट का उत्पादन एक ही तकनीक से करते हैं । भौतिक विशेषताओं, उत्पादन प्रक्रिया प्रौद्योगिकी कार्य एवं प्रयोग, विनिर्दिष्टताओं, वितरण एवं विपणन, कीमतें तथा वस्तुओं का सीमाशुल्क वर्गीकरण के आधार पर भारत में निर्मित नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट की तुलना चीन से आयातित नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट से की जाती है । तकनीकी एवं व्यापार की दृष्टि से दोनों की मदों का प्रतिस्थापन किया जा सकता है । उपभोक्ता संबद्ध देश से आयातित नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट तथा घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट को एक दूसरे से अदल-बदल कर इस्तेमाल कर सकते हैं । याचिकाकर्ता द्वारा निर्मित नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट पाटनरोधी नियमावली के तहत संबद्ध देश से आयातित नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट, के समान वस्तु है ।

(vi) भारत के संगठित क्षेत्र में मैटल फ्लैशलाइट के दो उत्पादक हैं । वे एवरेडी तथा जीप हैं । अकेले एवरेडी का उत्पादन भारतीय उत्पादन के 77 % से अधिक है । इसलिए, एवरेडी वर्तमान याचिका को दायर करने की सभी शर्तें पूरी करता है तथा पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग बनता है ।

(vii) यद्यपि याचिकाकर्ता ने सौदेवार सूचना (डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रदत्त सूचना सार निर्यात कीमतों के बारे में कोई अर्थपूर्ण सूचना नहीं देता) का सर्वोत्तम संभव विश्लेषण किया है

तथापि याचिकाकर्ता का निवेदन है कि आयात कीमतें इतनी कम हैं कि यदि तीनों मामलों में निर्यात कीमतों के अधिकतम स्तर पर भी विचार किया जाए तो भी पाटन मार्जिन काफी अधिक है ।

(viii) संबद्ध देश में सामान्य मूल्यों के निर्धारण के बारे में याचिकाकर्ता ने पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-1 के अनुसार अर्थव्यवस्था वाले देश की परिभाषा दी गयी है । याचिकाकर्ता का मानना है कि चीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और पिछले तीन वर्षों में यूरोपीय देशों तथा यूनाइटेड स्टेट्स द्वारा इसे गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है । भारत में भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन के विरुद्ध शुरू की गई सभी जांचों में चीन को व्यवहारिक रूप से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है । याचिकाकर्ता ने यह भी कहा है कि चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित में से किसी आधार पर किया जा सकता है—

- (क) तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत ;
- (ख) तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था में परिकलित मूल्य ;
- (ग) इस प्रकार के तीसरे देश से अन्य देशों जिसमें भारत भी सम्मिलित है की कीमतें ;
- (घ) उचित लाभ शामिल करने के लिए समायोजित भारत में वास्तव में अदा की गई कीमत ;
- (ड.) उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए समायोजित भारत में वास्तव में देय कीमत ;

याचिकाकर्ता ने संबद्ध मील की परिकलित उत्पादन लागत पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है ।

(ix) निर्यात कीमतों के साथ सामान्य मूल्यों की तुलना उल्लेखनीय पाटन मार्जिन स्थापित करती है । यह देखा जाएगा कि पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम स्तर से अधिक है अपितु उल्लेखनीय रूप से अधिक है, जिससे भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है जैसाकि इस याचिका के भाग iv में उल्लेख किया गया है ।

(x) याचिकाकर्ता ने घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले विभिन्न आर्थिक मापदण्डों का विवरण प्रस्तुत किया है । जांच अवधि के दौरान आयात के आंकड़े यह प्रदर्शित करते हैं कि चीन से आयात निर्बाध रूप से बढ़े हैं तथ कुल आयातों में उनके हिस्से में भी उल्लेखनीय रूप से वृद्धि हुई है ।

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में चीन पी आर का हिस्सा उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है जबकि घरेलू उद्योग के हिस्से में कमी आई है ।

(xi) पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योगों के उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री में बहुत तेजी से कमी आई है । याचिकाकर्ता को संबद्ध माल के बढ़ते हुए माल सूची स्तर का सामना करना पड़ रहा है । याचिकाकर्ता ने यह भी कहा है कि संबद्ध देशों के आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतें नीचे गिर गई हैं जिससे घरेलू उद्योगों को कीमतों में कमी/हास का सामना करना पड़ रहा है । याचिकाकर्ता ने आगे बताया है कि लघु उद्योग क्षेत्र में अनेक संयंत्र बंद हो रहे हैं । इस प्रकार याचिकाकर्ता ने आगे कहा है कि संबद्ध देशों से सामूहिक एवं संचयी आयात बताते हैं कि संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योगों को वास्तविक क्षति हुई है ।

ग. निर्यातक आयातक तथा प्रयोक्ताओं के विचार

4. निर्यातक

निम्नलिखित निर्यातकों से जवाब प्राप्त हुआ है :

(i) मैसर्स गुआंकसी वुजहाऊ बोई ट्रेडिंग लिंग, वुजहाऊ, गुआंकसी, पी आर, चीन

(क) मैसर्स गुआंकसी बुजहाऊ बोई ट्रेडिंग लिंग, बुजहाऊ, गुआंकसी, पी आर चीन एक प्रा० लि० कंपनी है जो कि चीन पी आर कंपनी विनियम के तहत निगमित की गई है । उन्होंने इन उत्पादों के उत्पादन में लगी फैक्टरियों की एक सूची प्रस्तुत की है । निर्यातक ने एक विनिर्माता मैसर्स गुआंकसी वुजहाऊ सिटी फ्लैशलाइट कं० से प्राप्त निर्यातक प्रश्नावली में उल्लिखित परिशिष्ट प्रस्तुत किए हैं ।

(ख) निर्यातक ने निवेदन किया है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान या उसके पहले भारत अथवा किसी अन्य देश को कोई निर्यात नहीं किया है । निर्यातक ने यह भी निवेदन किया है कि जांच अवधि के दौरान उसकी कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई परंतु सहयोग की भावना के मद्दे उन्होंने पी आर चीन में घरेलू बिक्री के बारे में एक विनिर्माता, मैसर्स गुआंकसी वुजहाऊ सिटी फ्लैशलाइट इंडस्ट्री कं० चीन पी आर के गोपनीय आंकड़े प्रस्तुत किए हैं ।

(ग) निर्यातक ने निवेदन किया है कि इसमें राज्य/सरकार के स्वामित्व वाली किसी हस्ती की कोई हिस्सेदारी नहीं है और यह बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनी माने जाने के सभी मापदंड पूरा

करती है। यह कोई राजसहायता प्राप्त नहीं करती है और अपने लेखाओं का रख-रखाव अंतर्राष्ट्रीय मानकों/प्रथा के अनुसार करती है।

(घ) निर्यातक का कहना है कि संबद्ध वस्तुओं का निर्माण केवल चीन पी आर में होता है और वह संबद्ध वस्तुओं के लगभग 21 मॉडलों का निर्यात करता है। निर्यातक ने यह भी निवेदन किया है कि कथित वस्तुओं का बहिर्भाग नॉन ब्रास मैटेलिक है। तथापि, याचिकाकर्ता द्वारा भारत में बेचे जाने वाले कथित दोनों मॉडलों के अंदर की पर्त के लिए ब्रास का इस्तेमाल किया जाता है तथा इन दोनों को संबद्ध वस्तुओं के रूप में नहीं बल्कि ब्रास टार्चों के रूप में बेचा गया था, इसलिए ये समान वस्तुएं नहीं हैं।

(ङ.) निर्यातक ने आगे बताया है कि चीन से अन्य चीनी निर्यातकों द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तुएं कम मूल्य वाले स्थानीय चीनी कोल्ड रोल्ड स्टील से बनी होती हैं जिससे कि ये कम वजन की होती थीं जबकि आवेदक द्वारा बेची जाने वाले मैटल/ब्रास फ्लैशलाइट में ब्रास मैटल का मूल कच्चे माल के रूप में उपयोग होता था।

(च) अन्य भिन्नताओं में शामिल हैं तीन गीयर स्विच तथा 2 सैल जो कि चीनी वस्तुओं में आम तौर से प्रयुक्त होते हैं जबकि आवेदक द्वारा निर्मित फ्लैशलाइटों में सिंगल गीयर स्विच पाए जाते हैं।

(छ) चूंकि जांच फ्लैशलाइट की श्रेणी तक ही सीमित है इसलिए माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को कथित संबद्ध वस्तुओं के केवल आंकड़ों को ही ध्यान में रखना चाहिए न कि आवेदक द्वारा विनिर्मित बेची गई अन्य श्रेणियों की फ्लैशलाइट के बारे में सूचना को ध्यान में रखना चाहिए।

(ज) चूंकि दिसम्बर, 2001 के बाद के कोई निश्चित आंकड़े नहीं हैं इसलिए जांच अवधि को उस अवधि से आगे नहीं बढ़ाया जाना चाहिए तथा वर्तमान जांच को गलती से शुरू किया गया है।

(झ) गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के संबंध में निर्यातक ने निवेदन किया है कि चीन में बोई तथा अन्य संबंधित कंपनियों द्वारा कच्ची सामग्रियों, प्रौद्योगिकी तथा अम लागत, उत्पादन, बिक्री स्थान निवेश समेत द्वारा कीमतों, लागत तथा निविष्टियों के बारे में निर्णय पूर्ति तथा मांग को प्रदर्शित करने वाले बाजारी संकेतों तथा बाजार के मूल्यों को प्रदर्शित करना वसूली निवेश की लागतों के आधर पर लिए जाते हैं। उन्होंने आगे यह भी निवेदन किया है कि चीन में न तो इन निवेशों की लागतों अथवा कीमतों का कोई सरकारी विनियमन होता है और न ही वहां निर्देशित कीमतों की कोई प्रणाली है। उन्होंने यह भी कहा है कि वहां पर वित्तीय स्थिति तथा उत्पादन लागत में कोई तोड़ मरोड़ नहीं है।

क्योंकि बोई पूर्णतः निजी कंपनी है जैसा कि प्रश्नावली के जवाब में उल्लेख किया है । उन्होंने आगे कहा है कि उनकी कंपनी मैसर्स/बोई चीन के दिवालिया कानूनों/समापन कार्रवाई के अधीन है तथा चीन में इसी प्रकार की ऐसी बहुत सी कंपनियां/फर्में हैं जो दिवालिया/समापन कार्रवाई के अधीन हैं । उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया है कि प्रश्नावली के गोपनीय जवाब में जो कि गोपनीय आंकड़ों के साथ दिए गए थे, में बताया गया था कि भारत में विनिमय दर चाइना सेंटर्ल बैंक, द्वारा यथा निर्धारित बाजार दर पर आधारित होती है ।

(ज) क्षति के बारे में निर्यातक का अनुरोध है कि आवेदक द्वारा निर्मित अन्य प्रकार की फ्लैशलाइटें संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तुएं नहीं हैं और इसलिए, आवेदक को जांच अवधि के दौरान चीन से हुए आयातों से कोई क्षति नहीं हो सकती । यदि कोई क्षति सिद्ध होती है तो वह या तो आवेदक के अन्य उत्पादों से या अन्य देशों से संबद्ध माल के भिन्न फ्लैशलाइटों के आयातों से हो सकती है चाहे वह पाटन अथवा अन्यथा की वजह से हुई है । यह इस बात का सूचक होगा कि ऐसे कई अन्य कारण हैं जो आवेदक के घटिया निष्पादन तथा भारत में जांच अवधि के दौरान आर्थिक मंदी के लिए उत्तरदायी हैं । इसके अलावा चूंकि जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की कीमतें कम नहीं हुई हैं इसलिए जैसा कि माना गया था घरेलू कीमतों में हास नहीं हुआ है । उन्होंने आगे निवेदन किया है कि ऐसी संबद्ध वस्तुएं जो जांच अवधि में न तो आवेदक द्वारा निर्मित ही गई और न ही बेची गई बारे में कोई क्षति रहेत कीमत नहीं हो सकती है ।

(ट) विक्रय कीमत तथा कीमतों में कटौती के बारे में निर्यातक का निवेदन है कि पहुंच मूल्य नहीं निकाला जा सकता है तथा उसकी तुलना आवेदक की विक्रय कीमत अथवा उत्पादन लागत के साथ नहीं की जा सकती है क्योंकि वे समान वस्तुएं नहीं हैं । माल-सूचियों के बारे में भी आवेदक के समान विचार हैं । लाभ प्रदत्ता के बारे में निर्यातक ने निवेदन किया है कि वास्तविक क्षति का पता लगाने के लिए सभी सूचकों पर विचार किया जाना चाहिए क्योंकि कोई भी कारक निर्णायक नहीं है तथा संपूर्णता पर अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम पद्धति के अनुसार विचार करना चाहिए ।

5. आयातक तथा प्रयोक्ता:

भारत में किसी भी आयातक तथा प्रयोक्ता ने इन जांचों के लिए कोई निवेदन नहीं किया है

: -

घ. प्राधिकारी द्वारा जांच एवं निष्कर्ष

6. इस निष्कर्षों पर पहुंचने के लिए घरेलू उद्योग निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए निवेदनों की जांच की गई तथा उन पर विचार किया गया तथा जहां कहीं भी उपयुक्त पाया गया इसके बाद उस पर कार्यवाही की गई है।

(ड.) जांचाधीन उत्पाद:

7. प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग की ओर से याचिका मैसर्स एवरेडी इंडस्ट्रिज द्वारा दायर की गई जिसमें चीन के मूल या वहां से निर्यातित नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट के पाटन का आरोप लगाया गया है। प्राधिकारी को मालूम हुआ है कि ये फ्लैशलाइटों का उपयोग आपांतकाल में प्रकाश के स्रोत है तथा अंधेरे स्थानों पर भी इनकी आवश्यकता होती है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि ये फ्लैशलाइटें मुख्यतः दो प्रकार की हैं अर्थात् मैटल तथा प्लास्टिक फ्लैशलाइट। मैटल फ्लैशलाइटों में फ्लैशलाइट ब्रास की बनी हो सकती है या किफायत के आधार पर इनमें एल्यूमिनियम या शीट मैटल हो सकता है। इन फ्लैशलाइटों को आईटी सी वर्गीकरण 851301 तथा 851305 के तहत आयातित बताया गया है जिसके अंतर्गत 35 % (2002 बजट) का मूल सीमाशुल्क लगाया जाता है। याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि यद्यपि याचिका के वर्तमान दायरे में संबद्ध माल के घटक शामिल नहीं हैं तथापि सेमी-नाक डाउन स्थिति में संबद्ध माल का आयात याचिका के वर्तमान दायरे में शामिल कर लिया जाए।

इस मामले में प्राधिकारी ने निर्यातक के इस दावे को नोट किया है कि चीन पी आर में निम्न लागत के स्थानीय स्टील से विभिन्न मॉडलों की रेज में नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट का उत्पादन किया गया है। निर्यातक ने यह भी दावा किया है कि आवेदक ऐसे मॉडलों का विनिर्माण करता है जिनका बाह्य नॉन ब्रास मैटेलिक तथा अंदर की पर्त ब्रास से बनी है।

प्राधिकारी ने निर्यातक तथा घरेलू उद्योग द्वारा जांचाधीन उत्पाद के बारे में प्रस्तुत निवेदन नोट किया है और उनका यह मानना है कि वर्तमान जांच में नॉन ब्रास मैटल से बनी नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइटें शामिल हैं, जो एल्यूमिनियम शीट मैटल नॉन ब्रास मैटल अथवा अन्य कोई नॉन ब्रास मैटल हो सकता है। प्राधिकारी का यह भी मानना है कि प्लास्टिक फ्लैशलाइटें जांच के दायरे में नहीं आतीं। मैटल फ्लैशलाइटों में भी ब्रास फ्लैशलाइट जांच के दायरे में नहीं आतीं। जहां तक

घरेलू उद्योग का इस उत्पाद को एस के डी रूप में शामिल करने का दावा है, प्राधिकारी का मानना है कि इस जांच में जांचाधीन उत्पाद में नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट की सभी किस्में हैं, जिसमें 2 छोटे सैल, 2 बड़े सैल तथा 3 बड़े सैल या तो कॉप्रेक्ट रूप में या एसकेडी स्थिति में हैं। तथापि इस उत्पाद में प्रयुक्त घटक इस जांच के दायरे में नहीं आते, इसलिए, जांचाधीन उत्पाद नहीं है। चूंकि जांचाधीन उत्पाद का कोई अलग सीमाशुल्क वर्गीकरण नहीं है इसलिए याचिकाकर्ता ने संबद्ध वस्तुओं के आयात के बारे में सूचना गौण स्रोतों से इकट्ठी की है जिनमें सूचना के साथ-साथ छोटे, मीडियम तथा बड़ी फ्लैशलाइटों का विवरण, बीम लैंथ तथा आकार के बारे में सूचना निहित है। इसलिए, प्राधिकारी का मानना है कि जांचाधीन उत्पाद नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट है जिसे टार्चों के नाम से भी जाना जाता है। ये मुख्यतः 2 सैल छोटे, 2 सैल बड़े तथा 3 सैल बड़े की हो सकती हैं जो नॉन ब्रास मैटल की बनी होती हैं जो कि एल्यूमिनियम, शीट मैटल या अन्य हो सकती हैं। इस उत्पाद को सीमाशुल्क अधिनियम सं0 85131001 तथा 85131005 के तहत वर्गीकृत है इसका आयात ओजीएल की शर्तों के तहत किया गया है जिस पर 35 % (बजट 2002) का मूल सीमाशुल्क लगाया जाता है।

प्राधिकारी ने पाया कि इस जांच में जांचाधीन उत्पाद नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट है। प्लास्टिक तथा ब्रास की टार्च इस जांच में शामिल नहीं है। यह भी पाया गया है कि यह उत्पाद विशेष सीमाशुल्क वर्गीकरण के तहत वर्गीकृत नहीं है, कुछ अपवादों को छोड़कर बैटरी के बिना या बैटरी सहित फ्लैशलाइटें, प्लास्टिक, नॉन ब्रास मैटल तथा ब्रास की फ्लैशलाइटें आईटीसीएचएस उपशीर्ष 85131001 तथा 85131005 के तहत वर्गीकृत हैं। जांचाधीन उत्पाद पर 35 % (2002) का मूल सीमा शुल्क लगता है। इसलिए, प्राधिकारी ने पाया है कि जांचाधीन उत्पाद 2 सैल छोटे, 2 सैल बड़े तथा 3 सैल बड़े कॉप्रेक्ट या एस के डी की स्थिति विभिन्न आकारों में नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट है।

समान वस्तु

पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि समान वस्तु वह वस्तु हैं जो हर दृष्टि से जांचाधीन उत्पाद के समरूप एवं समान हो तथा ऐसी वस्तु की अनुपस्थिति में ऐसी दूसरी वस्तु है जो जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से बहुत मिलतीजुलती हो।

प्राधिकारी ने नोट किया है कि याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा विनिर्मित माल संबद्ध देशों के मूल या वहां से निर्यातित माल मदों की तुलना में समान वस्तुएं हैं। याचिकाकर्ता ने निवेदन किया है कि नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइटों का तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से एक दूसरे से प्रतिस्थापन कि जा सकता है तथा उन्हें एक दूसरे से अदल बदलकर इस्तेमाल किया जा सकता है। निर्यातक ने दावा किया है कि याचिकाकर्ता की फ्लैशलाइटों की अंदर की पर्त में ब्रास का इस्तेमाल किया गया है। इसलिए इसे नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट नहीं कहा जा सकता है। निर्यातक ने आगे दावा किया है कि आवेदक की फ्लैशलाइट में सामान्य तौर पर पाए जाने वाले सिंगल गियर स्विच की तुलना में वे मुख्यतःदो सैल तथा तीन गियर स्विचों का इस्तेमाल करते हैं तथा चीन के संबद्ध माल की एपर्चर समायोजन संबद्ध माल के अग्र भाग को घुमाकर किया जाता है जबकि आवेदक द्वारा बेची गई फ्लैशलाइटों में एपर्चर समायोजन फ्लैशलाइट के पिछले भाग को धकेल कर किया जाता है। निर्यातक ने दावा किया है कि चीन से निर्यातित संबद्ध माल चीन की ही कम मूल्य वाले स्थानीय चीनी कोल्ड रोल्ड स्टील से बनी है जिसकी वजह से इसका भार हल्का है जबकि आवेदक द्वारा बेची गई मैटल/ब्रास फ्लैशलाइट में ब्रास मैटल का मूल कच्चे माल के रूप में प्रयोग होता है।

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि घरेलू उद्योगों द्वारा विनिर्मित नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट तथा चीन पी.आर से आयातित नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट की विशेषताओं में कोई खास अंतर नहीं है। इनकी तुलना इनकी विशेषताओं जैसे माल के भौतिक गुणों, उत्पादन प्रक्रिया तथा प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, विनिर्दिष्टताओं, वितरण एवं विपणन, कीमत निर्धारण तथा टैरिफ वर्गीकरण के अनुसार की जा सकती है। उपयोक्ता संबद्ध देश से आयातित फ्लैशलाइट तथा घरेलू उद्योगों द्वारा विनिर्मित फ्लैशलाइटों को अदल-बदल कर इस्तेमाल कर सकता है।

प्राधिकारी ने पाया है कि 3 गियर स्विच तथा शीर्ष छीलिंग द्वारा एपर्चर समायोजन जैसी विशेषताएं आयातित उत्पाद को असमान वस्तु का दर्जा नहीं देती क्योंकि उनका सिंगल गियर स्विच तथा टेल पुशिंग द्वारा एपर्चर समायोजन द्वारा आसानी से प्रतिस्थापित किया जा सकता है। निर्यातक के इस दावे के बारे में कि आवेदक द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं में अंदर की पर्त ब्रास की है, प्राधिकारी ने पाया है कि याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्मित नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट में अंदर की पर्त ब्रास की नहीं है। तथापि, याचिकाकर्ता ने स्विच स्ट्रिप, स्विच कानटेक्ट स्ट्रिप तथा छोटे छिद्रों के

लिए कुछ ब्रास स्ट्रिप का इस्तेमाल किया है। प्राधिकारी का मानना है कि ब्रास के इन घटकों को इस्तेमाल करने से इन फ्लैशलाइटों को ब्रास फ्लैशलाइटों का नाम नहीं दे सकते, जैसा कि निर्यातक द्वारा दावा किया गया है। इसी प्रकार से सहयोगी निर्यातक ने चीन पी आर में एक विनिर्माता द्वारा विनिर्मित किए जा रहे उत्पाद में इस्तेमाल किए जा रहे कच्चे माल का विवरण दिया है तथा उन्होंने इस बात की पुष्टि की है कि वे नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट के लिए कच्चे माल के रूप में ब्रास की पतली पत्तों की लघु मात्रा का इस्तेमाल करते हैं। सहयोगी निर्यातक मैसर्स गुआंक्सी वुजहाऊ बोई ट्रेडिंग लिंग, चीन पी आर ने भी चीन पी आर के एक विनिर्माता, जिसके उत्पाद से यह संकेत मिलता है कि वे बीम की लम्बाई की सूचना देती विभिन्न एफटीओ वाले नॉन ब्रास मैटल फ्लैश लाइटों का निर्यात करते हैं, से सूचना भिजवाई है। घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध करवाए गए संबद्ध देश के उत्पाद ब्रोशर की प्राधिकारी द्वारा जांच करने पर आगे यह खुलासा हुआ है कि संबद्ध देश में नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट विभिन्न मॉडल और आकारों में बनती हैं तथापि, इन असंख्य मॉडलों/आकारों को समूहबद्धकर उन्हें घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित 2 छोटे सैल के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है जो कि चीन पी आर से निर्यात किए जा रहे 200 फीट से 350 फीट से कम के समान है। इसी प्रकार से, 2 सैल बड़े तथा 3 सैल बड़े नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइटों का समूह बनाकर क्रमशः 350 फीट से 500 फीट से कम तथा 500 फीट या अधिक की रेंज के अनुसार वर्गीकृत किया गया है। याचिका में उल्लिखित किसी भी आयातक ने कोई सूचना नहीं दी है तथा प्राधिकारी के सामने कोई भी प्रतिकूल सूचना नहीं रखी गई है ताकि संबद्ध माल के आयात के बारे में कोई सलाह या विवाद किया जा सके। निर्यातक और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत निवेदनों से संबद्ध देश के नॉन ब्रास मैटल फ्लैश लाइट और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट की प्रतिस्थापन्ता एवं स्थानापन्ता को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी संबद्ध माल और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित माल को नियमावली 2(घ) के अनुसार प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ समान वस्तुएं मानते हैं।

न्यूनतम सीमा

याचिकाकर्ता ने जांच अवधि के दौरान डीजीसीआईएंडएस से संबद्ध देश के संबद्ध माल के आयात के आंकड़े प्रस्तुत किए हैं और गौण स्रोतों से लिए गए आंकड़े भी प्रस्तुत किए हैं। प्राधिकारी ने पाया है चूंकि जांचाधीन उत्पाद के लिए उल्लिखित सीमाशुल्क उपशीर्ष उस विशेष

संबद्ध वस्तु के लिए नहीं है इसलिए डीजीसीआईएंडएस के आयात आंकड़ों में दिखाई गई आयात की मात्रा संबद्ध माल को छोड़कर (प्लास्टिक या ब्रास) टार्चों को भी प्रदर्शित करेगी । प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए सौदेवार आंकड़े, जो गौण स्रोतों से एकत्र किए थे, की जांच की तथा संबद्ध माल के आयात आंकड़े भी मंगवाए । इन स्रोतों से एकत्रित आंकड़े बताते हैं कि जांच अधिक के दौरान चीन पी आर से संबद्ध माल का आयात निर्धारित न्यूनतम स्तर से अधिक है ।

(च) घरेलू उद्योग

8. याचिका मैसर्स एवरेडी इंडस्ट्रिज इंडिया लिंग, कोलकाता द्वारा दायर की गई है । निर्यातक ने दावा किया है कि याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत उत्पादन आंकड़ों में उसके द्वारा उत्पादित सभी फ्लैशलाइट सम्मिलित हैं । अतः इसे आधार नहीं माना जाना चाहिए । याचिकाकर्ता ने नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट के बारे में याचिकाकर्ता द्वारा दिए उत्पादन आंकड़े की जांच कर ली है तथा पाया कि वह भारत में संबद्ध माल के कुल उत्पादन का 77 % बनता है । तदनुसार, याचिकाकर्ता उपरोक्त नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने के मापदण्ड पूरा करता है ।

(छ) सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन:

9. सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा ६क(1)(ग) के तहत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

(i) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो, या

(ii) जहां निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई विक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में विक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी विक्रियों की समुचित तुलना नहीं हो सकती हो, तो सामान्य मूल्य या तो:-

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किये जाने पर समान वस्तु का उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य ; या

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथनिश्चित वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत जिसमें प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि की गई हो ।

बशर्ते कि वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश में उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं हो तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा ।

10. चीन पी आर:

धारा 9क(1)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी थी । चीन पी आर के केवल एक ही निर्यातक मैसर्स गुआंकसी वुज्हाऊ बोई ट्रेडिंग लिंग, चीन पी आर ने निर्यातक प्रश्नावली में उल्लिखित परिशिष्टों के उत्तर के साथ प्राधिकारी को जवाब दिया है । तथापि, निर्यातक ने दावा किया है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान संबद्ध माल का भारत अथवा घरेलू बाजार या अन्य देशों को निर्यात नहीं किया है । तथापि, उन्होंने अन्य विनिर्माता द्वारा चीन में बेची गई संबद्ध माल की कीमतों का विवरण दिया है । उन्होंने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि संबद्ध माल के सामान्य मूल्य का निर्धारण चीन में अन्य उत्पादकों/कंपनियों के संबद्ध माल की घरेलू बिक्री कीमतों के अनुसार किया जाए ।

प्राधिकारी ने पाया है चूंकि निर्यातक ने संबद्ध माल को न तो घरेलू बाजार में बेचा है और न ही अन्य देशों को निर्यात किया है इसलिए इस निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य एवं पाटन मार्जिन का निर्धारण धारा 9(क)1(ग) के अनुसार नहीं किया जा सकता है । सहयोगी निर्यातक मैसर्स गुआंकसी वुज्हाऊ बोई ट्रेडिंग लिंग, चीन पी आर अपने मामले की जांच सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के तहत पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अनुसार न्यू शिप्पर रिव्यू से करवा सकता है ।

(ज) चीन पी आर के अन्य निर्यातक

11. प्राधिकारी ने चीन पी आर के ज्ञात निर्यातकों को अवसर प्रदान किया ताकि वे उपरोक्त धा। के अनुसार जांच संबंधी सूचना दे सकें और टिप्पणियां, यदि कोई हैं तो प्रस्तुत कर प्राधिकारी ने भारत स्थित चीनी दूतावास को भी लिखा। तथापि, चीन पी आर के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी के अनुरोध पर कोई सूचना नहीं भेजी। सामान्य मूल्य के निर्धारण के बारे में याचिकाकर्ता द्वारा लिए गए दावे का अन्य हितबद्ध पर्टियों द्वारा कोई विरोध नहीं किया गया।

इन परिस्थितियों में नियमों के तहत सामान्य मूल्य का निर्धारण नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया जाता है। इसलिए उचित समायोजन के पश्चात मूल देश में अनुमानित उत्पादन लागत के बारे में उपलब्ध सूचना जमा विक्रय, प्रशासनिक एवं सामान्य खर्च और समायोजन करने के पश्चात उचित लाभ राशि का चीन पी आर में संबद्ध माल का सामान्य मूल्य को निकाले जाने के आधार के रूप में किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा चीन पी आर के सभी निर्यातकों के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य 2 सैल छोटे, 2 सैल बड़े तथा 3 सैल बड़े के लिए **** अमरीकी डालर **** अमरीकी डालर तथा **** अमरीकी डालर निकलता है।

निर्यात कीमत

प्राधिकारी ने चीन पी आर से भारत को हुए निर्यातों की मात्रा तथा उनके मूल्य की गणना के लिए गौण स्रोतों मैसर्स एसिस इनफोटेक प्रा० लि०, मुम्बई द्वारा दिए गए सौदेवार आंकड़ों को हिसाब में लिया है क्योंकि डीजीसीआईएंडएस द्वारा जांच अवधि के लिए कोई सौदेवार आंकड़े उपलब्ध नहीं करवाए गए थे। याचिकाकर्ता ने गौण स्रोतों से प्राप्त याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सौदेवार आंकड़ों से नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट से संबंधित आंकड़े चुने हैं और आगे इन्हें बीम लेंथ (200-350फीट), (350-500 फीट) तथा 500 फीट से अधिक के संबद्ध माल समूहबद्ध किया गया है। प्राधिकारी ने इस संबद्ध माल की तुलना 2 छोटे सैलों, 2 बड़े सैलों तथा 3 बड़े सैल वाली नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट, जो कि घरेलू उद्योगों द्वारा निर्मित की जा रही हैं, से की है।

पोत पर्यंत निशुल्क कारखाना द्वार स्तर कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तावित अंतर्देशीय भाड़े, बीमा विदेशी भाड़ा, तथा बीमा में समायोजन किया है । चीन पी आर से भारत में कारखाना द्वारा स्तर लागत पर कुल निर्यात कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी ने इन समायोजनों को प्रारंभिक निर्धारण के सीमित प्रयोजनों के लिए स्वीकार कर लिया है जिनका आगे सत्यापन और जांच होगी । समायोजनों के पश्चात कारखाना द्वार स्तर पर नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट के लिए (2छोटे सैल) कुल निर्यात कीमत **** अमरीकी डालर/यूनिट तथा नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट (2बड़े सैल) के लिए **** अमरीकी डालर/यूनिट और नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट (3 बड़े सैल) के लिए **** अमरीकी डालर/यूनिट निकलता है ।

पाटन मार्जिन:

12 सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम तथा पाटनरोधी नियमों के अनुसार सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, पाटन मार्जिन को विनियमित करने वाले सिद्धांत नियमावली के अनुबंध I में दिए गए हैं । चूंकि सहयोगी निर्यातक ने न तो भारत में संबद्ध मर्दों का निर्यात किया और न ही अपने देश या अन्य देशों में इसे बेचा । मैसर्स गुआंक्सी बुज़हाऊ बोई ट्रेडिंग लिंग, चीन पी आर के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया जा सका । तथापि, जैसा कहीं ओर उल्लिखित है पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के तहत वे प्राधिकारी के पास न्यू शिपर रिव्यू के लिए आ सकते हैं । चीन पी आर में संबद्ध मर्दों के अन्य निर्यातकों के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन **** अमरीकी डालर/यूनिट या निर्यात कीमत का.... % नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट (2सैल छोटे) के लिए तथा **** अमरीकी डालर प्रति यूनिट या नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट (2बड़े सैल) के लिए निर्यात कीमत का.... % और अमरीकी डालर....या नॉन ब्रास मैटल फ्लैशलाइट (3 बड़े सैल) के लिए निर्यात कीमत.... % निर्धारित किया गया है ।

13. पाटन मार्जिन

(अमरीकी डालर)

चीन जनवादी गणराज्य से आयातों हेतु नान ब्रास मेटल फ्लेशलाईट के
लिए पाटन मार्जिन का आकलन

	विवरण	सामान्य	निर्यात	पाटन	पाटन
		मूल्य	मूल्य	मार्जिन	मार्जिन %
चीन जनवादी गणराज्य के सभी निर्यातक (बिना बैटरी)	एनबीएमएफएल 2सेल छोटे	****	****	****	
	एनबीएमएफएल 2 सेल बड़े	****	****	****	
	एनबीएमएफएल 3 सेल बड़े	****	****	****	

इ. क्षति

14. उपरोक्त नियम-11 अनुबंध-II के तहत क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार के उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है अथवा कीमत वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती ।

भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उक्त नियमावधी के अनुबंध-II (iv) के अनुसरण में ऐसे संकेतकों पर विचार किया है जो उद्योग की

स्थिति पर प्रभाव डालते हैं जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टाक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन इत्यादी ।

याचिकाकर्ता के विचार:-

1. याचिकाकर्ता ने निवेदन किया है कि वस्तु के ऐसे तीन प्रकार हैं जिनमें वस्तुओं का आयात किया गया है । पिछले तीन वर्षों के लिए याचिकाकर्ता के लिए उत्पादन और विभिन्न प्रकारों की बिक्री के विवरण से पता चलेगा कि 3 बड़े सेल सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री कुल उत्पादन के 10% से कम है ।
2. चीन से फ्लैशगाइट के आयात में समग्ररूप से वृद्धि हुई है । निवेदन है कि आयात की वास्तविक मात्रा यहां दिखाई गई मात्रा से बहुत अधिक है । याचिकाकर्ता ने निर्यातकों को आयात सूचना के सम्बंध में संदेह लाभ दिया है तथ न्यूनतम संभव मात्रा की सूचना दी है । परंतु याचिकाकर्ता को इस बात की पूरी जानकारी है कि आयात की वास्तविक मात्रा यहां दर्शाई गई मात्रा से बहुत अधिक है ।
3. भारत में फ्लैशलाइट के आयात में चीन से हुए आयात के हिस्से में पर्याप्त वृद्धि हुई है । आयात का हिस्सा वास्तव में अधिक है परंतु आयात मात्रा के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता ने बहुत ही संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है ।
4. यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में भारी गिरावट आई है । एसएसआई यूनिटों के उत्पादन स्तरों में उल्लेखनीय कमी आने के बावजूद उत्पादन स्तरों में कमी आई है ।
5. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में उल्लेखनीय कमी आई है इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप उत्पादन और क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ।
6. यह देखा गया है कि विक्रय मूल्यों में वास्तविक रूप से कमी नहीं हुई है । यह इस तथ्य के कारण है कि घरेलू उद्योग को बहुत कम मार्जिन उपलब्ध है उत्पाद की बिक्री खुदरा स्तर पर वितरण की एक लम्बी श्रृंखला के माध्यम से की जाती है अतः घरेलू उद्योग मूल्यों में कमी नहीं कर सकता ।

7. आयात का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य से बहुत ही कम हैं। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा और बाजार हिस्से में बहुत गिरावट आई है। एसएसआई में कुछ कम्पनियाँ अपने संयंत्र पहले से ही बंद कर चुकी हैं। यदि विद्यमान प्रवृत्ति जारी रही तो एवरेडी की लाभप्रदता पर भी गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

8. आयात का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से बहुत ही कम है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को बहुत ही अधिक मूल्य न्यूनीकरण/हास का सामना करना पड़ रहा है।

9. आयात का पहुँच मूल्य इतना कम है कि याचिकाकर्ता बिक्री मात्रा को बढ़ाने के लिए मूल्यों में कमी करने के बारे में सोच भी नहीं सकता।

10. उत्पादन में कमी के बावजूद प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के अनुसार घरेलू उद्योग को बढ़ते भण्डार की स्थिति का सामना करना पड़ता है।

11. याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता कम हुई है। हालांकि एसएसआई में कम्पनियाँ इस आधात को सामना नहीं कर सकती तथापि एवरेडी जैसी कम्पनियों को इस क्षेत्र अर्थात मैटल फ्लैशलाईट के क्षेत्र में अपना अस्तित्व बनाए रखना कठिन हो रहा है।

अ प्राधिकारी द्वारा जांच

15. घरेलू उद्योग को हो रही क्षति का विश्लेषण रिकार्ड में उपलब्ध सूचना तथा पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क निदेशालय के अधिकारियों द्वारा किए गए सत्यापन के आधार पर किया गया है।

क्षति की मात्रा

1. चीन जनवादी गणराज्य से आयातों की मात्रा में समग्र वृद्धि

आयातों की मात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकारी ने डीजीसीआई एण्ड एस द्वारा उपलब्ध कराई गई सम्बद्ध वस्तुओं के निर्यात आँकड़े तथा गौण स्त्रौतों से प्राप्त आंकड़ों पर विचार किया है। चूँकि इस सम्बद्ध वस्तु का सीमाशुल्क उपवर्गीकरण विशिष्ट नहीं है अतः प्राधिकारी ने

चीन जनवादी गणराज्य और चीन के जनगणना से भिन्न अन्य देशों से आयातों को परिकलित करने के लिए गौण स्त्रोतों के माध्यम से उपलब्ध कराई गई सौदेवार सूचना को ध्यान में रखा है।

घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि चीन जनवादी गणराज्य से आयात में समग्र वृद्धि हुई है तथा उनके हिस्से में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान तथा इससे दो वर्ष पहले के आयात आंकड़ों की जांच की है तथा यह निष्कर्ष निकाला है कि चीन जनवादी गणराज्य से आयात में समग्र रूप में तेजी से वृद्धि हुई है। प्राधिकारी ने नोट किया कि घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में आयात में वृद्धि हुई है। इस प्रकार प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि जांच अवधि के दौरान पिछले वर्षों की तुलना में चीन जनवादी गणराज्य से सम्बद्ध वस्तुओं के आयात में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं का आयात स्त्रोत डीजीसीआई एण्ड एस					
	यूनिट	99-00	00-01	2001-2002	जांच अवधि
सम्बद्ध देश	000 नग	600	1193	2248	1974
अन्य	वही	204	973	581	262
कुल आयात	वही	804	2166	2829	2236

जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं का आयात स्त्रोत गौण स्त्रोत					
	यूनिट	99-00	2000-01	2001-2002	जांच अवधि
सम्बद्ध देश	000 नग	600	797	2723	2689
अन्य	वही	204	-	38	37
कुल आयात	वही	804	797	2761	2726

ii) आयातों का बाजार हिस्सा

प्राधिकारी ने पाया है कि नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाईट के कुल आयापत में चीन जनवादी गणराज्य के हिस्से में वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के हिस्से में पर्याप्त कमी आई है।

(iii) कुल आयातों में चीन जनवादी गणराज्य से आयात का बाजार हिस्सा (%)

आयातों में बाजार हिस्स					
	यूनिट	99-00	2000-2001	2001-2002	जांच अवधि
सम्बद्ध देश	%	75	100	99	99
अन्य देश	%	25	0	1	1
कुल	%	100	100	100	100

(iv) मांग के अनुपात में सम्बद्ध देशों से आयात का हिस्सा

प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद की घरेलू उद्योग की बिक्री में कुल आयातों को जोड़ कर देश में कुल मांग का आकलन किया है। प्राधिकारी ने नोट किया कि जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं की कुल मांग में चीन जनवादी गणराज्य के हिस्से में वृद्धि हुई है जबकि अन्य आयातों के हिस्से में मामूली वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान कुल मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में कमी आई है। इस प्रकार प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि कुल मांग के हिस्से के रूप में सम्बद्ध देशों के आयातों के बाजार हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है तथा पिछले वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें पर्याप्त वृद्धि हुई है।

कुल मांग में आयातों का बाजार हिस्सा (समग्र तथा प्रतिशत हिस्सा)

मांग में हिस्सा					
	यूनिट	99-00	2000-2001	2001-2002	जांच अवधि
घरेलू उद्योग	%	63.46	60.23	32.38	26.54

अन्य उत्पादक	%	18.49	17.74	12.15	10.48
संबद्ध देश से आयात	%	13.48	22.02	54.7	62.12
अन्य देशों से आयात	%	4.57	.01	.76	.85

उत्पादन एवं बिक्री मात्रा

(v) प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं के सम्बंध में घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन और क्षमता उपयोग में कमी आई है। याचिकाकर्ता की सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री मात्रा में पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान पर्याप्त कमी आई है।

मूल्य संबंधी प्रभाव

16. घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ का नियम (iv) निम्नलिखित है :-

‘संबंधित घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच में संभी संगत आर्थिक तथ्यों का मूल्यांकन तथा ऐसे संकेतक शामिल होंगे जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हो जैसे बिक्री लांभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर प्राप्ति या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक तथा संभावित गिरावट, घरेलू मूल्यों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकदी के प्रवाह, भण्डार, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव आदि।

मूल्यों पर पाठित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या भारत में सामान्य वस्तु के मूल्य की तुलना में पाठित आयातों द्वारा मूल्य में पर्याप्त कटौती हुई या क्या इस प्रकार के आयातों का प्रभाव अन्यथा मूल्यों को उल्लेखनीय स्तर तक कम

करना है। प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना निवल बिक्री प्राप्ति से की तथा पाया कि पाटित आयातों द्वारा मूल्य में पर्याप्त कटौती हुई है। आयातों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से अत्यधिक कम पाया गया है।

प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के इस दावे की भी जांच की है कि घरेलू उद्योग को नान ब्रास मेटल फ्लैशनाईट की बिक्री से हो रही हानि उठानी पड़ रही है। प्राधिकारी ने नोट किया कि क्षति का मूल्यांकन करने के लिए कम विक्रय मूल्य एक महत्वपूर्ण संकेतक है। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद हेतु क्षति रहित मूल्य निर्धारित किया है तथा कम कीमत पर बिक्री की मात्रा निकालने के लिए इसकी पहुँच मूल्य के साथ तुलना की है। विश्लेषण से कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव के पर्याप्त स्तर का पता चलता है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। इसके अतिरिक्त आयातों का घरेलू बाजार में मूल्यों पर न्यूनीकरण/कटौती का प्रभाव पड़ रहा था क्योंकि घरेलू उद्योग, सम्बद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण अपने विक्रय मूल्य में वृद्धि नहीं कर पा रहा था। अतः उपलब्ध साक्ष्य की जांच करने से पता चलता है कि समग्र घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं की अपनी बिक्री पर क्षति हुई है। प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान मूल्य से कटौती का स्तर निर्धारित किया है तथा यह निष्कर्ष निकाला कि जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध देश से आयात के कारण घरेलू उद्योग को मूल्य में पर्याप्त कटौती और कम विक्रय मूल्य का सामना करता पड़ा है।

1000 नगों के लिए नॉन ब्रास मेटल फ्लैश लाईट के मूल्य में कटौती (रूपए में)

2 सेल छोटे

		जांच अवधि
पहुँच मूल्य		*****
बिक्री मूल्य		*****
कीमत कटौती		*****

2 सेल बढ़े

	जांच अवधि
पहुँच मूल्य	*****
बिक्री मूल्य	*****
कीमत कटौती	*****

3 सेल बढ़े

	जांच अवधि
पहुँच मूल्य	*****
बिक्री मूल्य	*****
कीमत कटौती	*****

बिक्री मूल्य तथा लाभ प्रदान

17. प्राधिकारी ने पाया है कि जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री प्राप्ति में कोई वृद्धि नहीं हुई है तथा वास्तव में ये उसी स्तर पर हैं जिस पर एएम 2001 तथा एएम 2000 में थे। प्राधिकारी ने पाया है कि याचिकाकर्ता को जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री से हानि हुई है।

प्राधिकारी ने नोट किया कि सम्बद्ध वस्तु की बिक्री कीमत हेतु घरेलू उद्योग के उचित मूल्य से काफी कम है जिस पर घरेलू उद्योग ने अपनी उत्पादन लागत प्राप्त की होती और उपयुक्त लाभ अर्जित किया होता। इस प्रकार पाटित आयात से घरेलू उद्योग उचित मूल्य प्राप्त करने हेतु मूल्य में न्यायसंगत वृद्धि करने से वंचित हुआ है। उद्योग को कम विक्रय मूल्यों के कारण वास्तविक क्षति हुई है जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन लागत की वसूली नहीं हो सकती तथा वित्तीय हानि हुई है।

18. प्राधिकारी द्वारा मूल्यांकित अन्य क्षति मापदण्ड निम्नलिखित हैं :-

(क) पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान निवेश पर प्राप्ति में कमी आई है।

(ख) जांच अवधि के दौरान तैयार माल के अंतिम स्टॉक में अत्यधिक वृद्धि हुई है जिससे पता चलता है कि पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के भण्डार की स्थिति में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ है।

(ग) पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान कर्मचारियों के वेतन में कमी हुई है।

अन्य क्षति संबंधित मापदण्ड

	यूनिट	99-00	2000-01	2001-02	जांच अवधि
सभी प्रकारों की क्षमता	के नग	3500	3500	3500	3500
सम्बद्ध वस्तुओं का उत्पादन	इंडैक्स	100	83	76	71
क्षमता उपयोग	%	77	64	59	56
घरेलू बिक्री	इंडैक्स	100	77	57	54
अंतिम स्टॉक मात्रा	इंडैक्स	100	113	193	194
रोजगार	इंडैक्स	100	100	92	91
उत्पादकता	इंडैक्स	100	100	108	97
प्रति कर्मचारी वेतन	इंडैक्स	-	100	77	77
बिक्री में वृद्धि/पिछली	इंडैक्स	100	77	57	54
कुल लाभ	इंडैक्स	100	141	-7	-93

क्षति के संबंध

घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में प्राधिकारी पूर्वोक्त से निम्नलिखित निष्कर्षों पर पहुँचे हैं।

1. सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों में समग्र रूप में अत्यधिक वृद्धि हुई है।
2. भारत में नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाईट के कुल आयातों के संबंध में सम्बद्ध देश के आयात में वृद्धि हुई है।
3. भारत में नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाईट की मांग के संबंध में देश से आयात में वृद्धि हुई है।
4. आयातों से घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्यों में अत्यधिक कटौती हुई है।
5. याचिकाकर्ता को कम कीमत पर बिक्री से घाटा हो रहा है क्योंकि सम्बद्ध वस्तुओं का पहुँच मूल्य क्षति रहित मूल्य था घरेलू उद्योग के उचित विक्रय मूल्य से कम है।
6. याचिकाकर्ता को मूल्य न्यूनीकरण/हास का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से कम है।
7. घरेलू उद्योग को सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री के कारण हानि हो रही है। वास्तव में उन्हें जांच अवधि के दौरान उनकी बिक्री मात्रा में क्षति के साथ इसी अवधि में हानि हुई है।
8. उपरोक्त के आधार पर प्राधिकारी ने पाया है कि घरेलू उद्योग को मात्रा के साथ-साथ मूल्य संबंधी क्षति उठानी पड़ी है। कुल मिलाकर घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई हैं।

ट. कारणात्मक संबंध

19. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों द्वारा हुई है, प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान में रखा।
 - i) यह निर्धारित करने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति सम्बद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है प्राधिकारी का विचार है कि सम्बद्ध देश से आयात की मात्रा में वृद्धि के परिणामस्वरूप याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में कमी आई है। नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाईट के पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय प्राधिकारी ने पाया कि अपनी रासायनिक विशेषताओं और प्रयोग में समानता होने के कारण ये घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाईट के समान वस्तु हैं। गांधिकारी द्वा विचार है कि उन्हें वस्तुओं के आयातों में वृद्धि हो रही है। ये गतों में अमर वृद्धि में हुई है। प्रभाव सम्बद्ध वस्तुओं को उचित विक्रय मूल्य से कम कीमत में बेचने के लिए घरेलू उद्योग

के मूल्यों में कटौती हुई थी जिसके कारण सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री मात्रा में कमी आई है। इस प्रकार प्राधिकारी ने पाया कि चीन जनवादी गणराज्य से सम्बद्ध वस्तुओं के पाटित मूल्यों पर आयात के कारण घरेलू उद्योग को नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाईट के विक्रय मूल्यों में अन्नाभकारी स्तर तक कमी करनी पड़ी है जिसके परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में कीमत कटौती की स्थिति उत्पन्न हो गई है। सम्बद्ध वस्तुओं के सम्बंध में, सम्बद्ध देश से आयातों के पहुँच मूल्य, घरेलू उद्योग के बिक्री मूलय बहुत कम है जिसके परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में कीमत कटौती की स्थिति उत्पन्न हो रही है। प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य से भिन्न देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के आयात की मात्रा की भी जांच की है तथा जौदै वार आंकड़ों की जांच करने के बाद पाया कि जांच अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य से भिन्न देशों का बाजार हिस्सा देश में कुल आयातों का केवल 1% है।

ii) चीन जनवादी गणराज्य से हुए आयात के कारण भारतीय बाजार में नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाईट उत्पाद के मूल्यों में उस सीमा तक कमी आई है कि घरेलू उद्योग को अपनी सम्पूर्ण उत्पादन लागत वसूलने और भारत में सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री से यथाचित लाभ अर्जित करने से वंचित कर दिया गया था।

20. अतः प्राधिकारी ने उपर्युक्त से नोट किया कि चीन जनवादी गणराज्य से सम्बद्ध वस्तुओं के आयात घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित मूल्य से कम कीमत पर हुए हैं। अन्य देशों से आयात देश में हुए कुल आयातों के बाजार हिस्से के नगण्य अनुपात में हैं। प्राधिकारी मांग में कमी, खपत की प्रणाली में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहारों और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पदा का कोई साक्ष्य प्राप्त नहीं कर सके। यह भी नोट किया कि प्रोद्योगिकी में विकास घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं रहा है। यह मापदण्ड समूहिक तथा संचयी रूप से यह दर्शाते हैं कि याचिकाकर्ता को पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

ठ. भारतीय उद्योग का हित

21. सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना है जो कि देश के सामान्य हित में है ।

प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से सम्बद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मता पर प्रभाव पड़ सकता है । किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित पतिस्पर्धा कम नहीं होगी । इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और सम्बद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहेंगे ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू करने से चीन जनवादी गणराज्य से आयात किसी भी प्रकार प्रतिबंध नहीं होंगे अतः उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दौ या इससे अधिक स्त्रोत बनाए रख सकते हैं ।

ठ. निष्कर्ष:-

22. प्राधिकारी उपरोक्त पर विचार करने के पश्चात इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि:-

क.) नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाईट (एसीटेट तथा फीड ग्रेड) या विचाराधीन उत्पाद का सम्बद्ध देश से भारत को निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है ।

ख.) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

ग.) क्षति सम्बद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है ।

23. घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए प्राधिकारी नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाईट (2 सेल छोटे, 2 सेल बड़े तथा 3 सेल बड़े) के सभी आयातों पर अंतिम निर्धारण होने तक अनंतिम रूप से पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं । प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन

मार्जिन उपर्युक्त पैराग्राफों में दर्शाया गया है। प्राधिकारी पाटन मार्जिन के बराबर या उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करते हैं जिसे यदि लगाया गया तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। क्षति निर्धारित करने के उद्देश्य से आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना जांच अधिकारी के लिए निर्धारित याचिकाकर्ता कम्पनी के क्षति रहित मूल्य से किए जाने का प्रस्ताव है।

तबनुसार, प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि अंतिम निर्धारण होने तक चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सीमाशुल्क शीर्ष 851310 के अंतर्गत आने वाले नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाईट कम्पैक्ट रूप में या एसकेडी स्थितियों में सभी प्रकारों पर 2 सेल छोटे, 2 सेल बड़े, 3 सेल बड़े तथा अन्य आकारों (सभी बिना बैटरी) के अवशिष्ट श्रेणी के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। यदि आयात के समय संबद्ध वस्तुओं के विवरण का उल्लेख विशेष रूप से नहीं किया गया है तो ऐसी श्रेणियों पर उच्चतम शुल्क लागू होगा। पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित सारणी के कॉलम में उल्लिखित राशि तथा प्रति एक हजार नग के आयातों के पहुँच मूल्य के बीच का अंतर होगा जिसे नीचे दिए गए देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 29 के अंतर्गत आने वाली सम्बद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लगाया जाएगा:-

क्र.सं.	देश/निर्यातक	विवरण	राशि (अमरिकी डालर प्रति हजार नग)
1.	चीन जनवादी गणराज्य सभी निर्यातक	नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाईट (बिना बैरी के एस आर बैटरी के साथ 2 सेल छोटे	680
		नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाईट (बिना बैटरी के डी आकार बैटरी के साथ 2	838

	(सेल बड़े)	
	नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाईट (बिना बैटरी के डी आकार बैटरी के साथ 3 सेल बड़े)	1608
	नॉन ब्रास मेटल फ्लैशलाईट (अनिर्दिष्ट बिना बैटरी के)	1608

24. आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

३. आगे की प्रक्रिया

25. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा:-

- (क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों से इन निष्कर्षों के बारे में टिप्पणियाँ आमंत्रित करेगी और उन पर अंतिम जांच परिणाम निकालते समय विचार किया जाएगा ।
- (ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों/आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य संबंधित ज्ञात हितबद्ध पक्षों को अलग से लिखा जा रहा है जो प्रारंभिक जांच परिणामों की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है ।
- (ग) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों को मौखिक अनुरोध के लिए अवसर प्रदान करेंगे । जिन्हें उसके पश्चात लिखित में प्रस्तुत किया जाएगा ।
- (घ) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे जांच करेंगे ।
- (ङ.) अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पहले प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे ।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th January, 2003

Preliminary Findings

Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Non Brass Metal Flashlight originating in or exported from the China PR—Preliminary Findings.

No. 14/27/2002-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

A. PROCEDURE:

2. The procedure described below has been followed:-
 - (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s. Eveready Industries India Limited, Kolkata, on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Non Brass Metal flashlight (hereinafter referred to as subject goods) originating in and exported from China PR (hereinafter referred to as subject country);
 - (ii) The Authority notified the Embassy of China PR in India about the receipt of dumping application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
 - (iii) The Authority issued a Public Notice dated 9th September, 2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping proceedings concerning imports of Non-brass metal flashlights of Schedule I of the Customs Tariff Act.

(iv) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, importers, industry associations and to the complainant and gave them an opportunity to make their views known in writing.

(v) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the petition to all the known exporters and Embassy of subject country in India.

(vi) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the following known exporters from China PR.

M/s. Guangzi Wuzhou City Light Industrial Products I/E Corp, 4th Floor, 88 Bethuan Road, Wuzhou Guangxi, China

M/s. AIK International, Flat F, 3/F, Far East Mansion, 5-6, Middle Road, T.S.T. Kowloon, Hong Kong.

None of the above exporters have responded to the Exporters' Questionnaire.

(vii) The Embassy of China PR in New Delhi was also informed about the initiation of investigation and requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time; M/s. Guangxi Wuzhou Boyee Trading Ltd. Guangxi, China PR, has responded to the petition. M/s M/s. Guangxi Wuzhou Boyee Trading Ltd. Guangxi, China PR, made a request for extension of time for filing exporters questionnaire, which was granted by the Authority.

(viii) The Ministry of Foreign Trade, (MOFTU) Beijing, Govt. of China PR was also informed about the initiation of investigation and requested to advise the exporters /producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time.

(ix) The questionnaire was sent to the following known users/importers of subject goods:-

1. M/s. S.K. Traders, Faridabad
2. M/s. Sanskriti International, Delhi...
3. M/s. Pratyaksh International, New Delhi.
4. M/s. Sai Trading Company, New Delhi.
5. M/s. D.P. Trading Company, Calcutta.

6. M/s. Lucky Sales Corporation, Faridabad.

(x) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;

(xi) **** in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

(xii) The investigation covered the period from 1st July 2001 to 31st March 2002;

(xiii) Additional details regarding injury were sought from the petitioner, which were also furnished.

(xiv) The Authority conducted on the spot investigation of the domestic industry to the extent considered necessary.

(xv) The cost of the production of the domestic industry was also analysed to work out the optimum cost of the production and the cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles based on the information furnished by the petitioner so as to ascertain if anti Dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic Industry.

(xvi) Copies of initiation notice were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc., for wider circulation.

B. PETITIONER'S VIEWS:

3. The petitioner, M/s. Eveready Industries India Limited, Kolkata has made the following points in their submissions: -

(i) The product under consideration in the present petition is Non Brass Metal Flashlights, which is also known as Torches. The flashlight is primarily divided into two segments i.e. Metal and plastic. Metal segment is further divided into two sub-segments i.e. Brass and Non-Brass. Non-brass metal torches and plastic are in the economy category. Non-brass torches are generally made of aluminium and sheet metal. Indian manufacturers generally produce aluminium torches because of superior quality though the costs are similar. The costs and prices of brass flashlights are significantly higher than that of Non brass

flashlights. The dumped imports from China have very adversely affected the market of Non-brass metal flashlights. Imports of plastic flashlights are not significant. The present petition does not include imports of plastic flashlights. The present petition is against Non-brass metal flashlights.

- (ii) While components of subject goods are not included in the present scope of the petition, imports of the subject goods in semi-knocked down conditions is included in the scope of the present petition.
- (iii) The product is not classified under dedicated customs classifications, as all types of flashlights, except some exceptions, are classified under one classification. Petitioner has collected information from secondary sources, which contain information with regard, inter alia, description of the flash lights being imported. While both 2-cell and 3-cell batteries have been imported in India, imports are largely in 2 large cells categories. Petitioner has enclosed a statement showing production and sales of various types of flashlights by the petitioner. It would be seen that production (and sales) of 3 large size cells flashlights is very limited. Same is the trend with regard to imports. Still, petitioner has attempted to classify the imports into three categories in which imports are taking place (a) 2 cell large; (b) 2 cells small; and (c) 3 cells large. Even though the petitioner has divided the imports into these three categories based on the best available information in the import information, petitioner submits that (a) the imports from China are largely in the category of 2 cells; (b) imports are at such a low prices that even if highest price is adopted for all the three categories, dumping margin are too significant.
- (iv) The present petition is being filed by M/s. Eveready Industries India Limited., having its head office at Kolkata and plant at Lucknow in Uttar Pradesh. The petition has been supported by a number of small-scale producers of subject goods in India, even though the petitioner alone satisfies the requirement of standing under the Rules. There are two producers of subject goods in India in the organized sector. These are Eveready and Shervani (also known as GEEP). Apart from these two companies in the organized sector, there are a number of small scale units producing metal flashlights, collective production of which does not exceed 5,00,000 flashlights per year.
- (v) As stated earlier, there is no major difference in the characteristics of Non Brass metal flashlights produced by the domestic industry and Non Brass Metal flashlights imported from China PR. Petitioner in India and producers in China produce Non Brass metal flashlight with same technology. Non Brass Metal flashlights imported from China are comparable to Non

Brass metal flashlights produced in India in terms of their features such as physical characteristics, manufacturing process & technology, functions and uses, specifications, distribution and marketing, pricing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers can use Non Brass metal flashlights imported from the subject country and non-brass metal flashlights produced by the domestic industry interchangeably. Non Brass Metal flashlight produced by the petitioner is a like article to the Non Brass metal flashlight imported from subject countries under anti-dumping Rules.

(vi) There are two producers of metal flashlight in Indian in the organized sector. They are Eveready & GEEP. Production of Eveready alone is more than 77% of Indian production. Eveready, therefore, satisfies the standing to file the present petition and constitute domestic industry within the meaning of the anti dumping Rules

(vii) While the petitioner has done best possible analysis of the transaction wise information (summary information provided by the DGCI&S does not reveal any meaningful information with regard to export prices), the petitioner submits that the import prices are so low that even if export price in all the three cases are considered at the highest level, the dumping margins are still very significant).

(viii) As regards the determination of normal value in the case of subject country, the petitioner has drawn the attention of the Authority towards the amended Para 8 of the Annexure I of the anti dumping rules wherein the non-market economy country has been defined. The petitioner maintains that China is a non-market economy and has been treated as non-market economy by European Country and United States in the past three years. In India also the Designated Authority has treated China as non-market economy in practically in all the investigations initiated against China. The petitioner has added that the normal value in China can be determined on any of the following basis:

- a) The price in market economy third country;
- b) Constructed value in market economy third country
- c) The price from such a third country to other countries including India;
- d) The price actually paid in India adjusted to include a reasonable profit;
- e) The price actually payable in India adjusted to include a reasonable profit margin.

The petitioner has determined normal value on the constructed cost of production of the subject goods.

- (ix) Comparison of normal values with export prices establishes significant dumping margin. It may be seen that the dumping margins are not only more than de-minimus, but also significantly high, causing material injury to the Indian industry, as discussed in Part IV of this petition.
- (x) The petitioner has submitted an account of various economic parameters affecting the domestic industry. The import statistics during the Period of Investigation shows that import from China have increased in absolute terms and their share in the total import has also increased significantly. The petitioner has claimed that share of China PR in the demand of the subject goods has also increased significantly while the share of domestic industry has declined.
- (xi) The production, capacity utilisation and sales of the domestic industry have drastically declined during the POI as compared to previous year. The petitioner is faced with the increasing inventory levels of the subject goods. The petitioner has further added that the imports from the subject country are undercutting the price of the domestic industry and the domestic industry is facing severe price suppression/depression. They have further added that a number of plants are leading to closure in small-scale sector. Thus the petitioner adds that imports from subject country collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury due to dumped imports from subject country.

C. EXPORTERS, IMPORTERS' AND USERS' VIEWS:

4. EXPORTERS

Response has been received from the following exporters:

- i) M/s. Guangxi Wuzhou Boyee Trading Limited, Wuzhou, Guangxi, PR China.
- a) M/s. Guangxi Wuzhou Boyee Trading Limited, Wuzhou, Guangxi, PR China, is a Private Limited Company incorporated under the company regulation of PR China. They have submitted the list of factories involved in the production of products. The exporter has submitted appendices mentioned in

the exporters questionnaire from one manufacturer M/s Guangxi Wujhou City Flashlight Industry Company.

b) The exporter has submitted that they have not exported to India or to any third country during the period of investigation and even prior to that. The exporter has further submitted that it does not have domestic sales during POI but in a spirit of cooperation they have submitted the confidential data with respect to domestic sales in the PR China of the one manufacturer, M/s. Guangxi Wuzhou City Flashlight Industry Company. China PR.

c) The exporter submits that there is no equity holding by any state/govt. owned entities and it fulfils the criteria to be treated as a market economy company. It does not receive any subsidies and maintains its accounts consistently in accordance with international norms/practice.

d) The exporter states that the subject goods are manufactured only in China PR and it exports about 21 models of subject goods. The exporter has further submitted that the applicant goods have a non-brass metallic exterior. However, brass is used for the inner lining for the said two models sold in India by the petitioner and these were sold as brass torches and not as the subject goods and, therefore, not like articles.

e) The exporter has further added that subject goods exported from China by other Chinese exporters are made from low cost local Chinese cold rolled steel resulting a lighter weight while the metal/brass flashlights sold by the applicant, ordinarily, uses brass metal as the basic raw material.

f) Other differences include three gear switches and two cells ordinarily used in the Chinese goods as against single gear switch found in the applicant's flashlights.

g) Since the investigation is limited to a category of flashlights, it is only the data with respect to the said subject goods that should be taken cognisance of by the Hon'ble D.A. and not information with respect to other categories of flashlights manufactured and sold in India by the applicant.

h) As there is no confirmed data beyond December 2001, the POI should not have been extended beyond that period and the present investigation is wrongly initiated.

i) With regard to non-market economy the exporter has submitted that the decisions of Boyee and other concerned companies in China with respect to prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and the costs of the inputs reflect market values. They have further submitted that there is neither any State regulation of costs or prices of these inputs in China or

any system of 'administered prices'. They add that there is no distortion of production costs and financial situation as Boyee is an entirely private company as described in the Response to the Questionnaire. They have further stated their company M/s. Boyee is subject to China's Bankruptcy Laws/winding up proceedings and there are number of bankruptcies/winding up proceedings in China of similar firms/companies. They have mentioned that as in India the exchange rate is based on the market rate as determined by the China Central Bank as is reflected in the confidential data furnished along with the said Confidential Response to the Questionnaire.

- j) As regards injury, the exporter submits that the subject goods are not like articles with the other types of flashlights produced by the Applicant and thus there can be no injury caused to the Applicant by imports of the subject goods from China during the POI. Any injury, if proven could only be from either other products of the Applicant or from imports, whether dumped or otherwise, of flashlights other than the subject goods from other countries. This would indicate that there are other causes that have led to alleged poor performance of the applicant and the economic slowdown in India during the POI. Further, since the prices of the subject goods have not decreased during the POI, there has been no depression of domestic prices as alleged. They have further submitted that there can be no non-injurious price with respect to the subject goods that were neither manufactured nor sold by the applicant during the POI.
- k) As regards selling price and price undercutting, the exporter has submitted that the landed price cannot be worked out and compared with the applicant's selling price or cost of production as they are not like goods. As regards inventories also the exporter has submitted the similar arguments. As regards profitability the exporter has requested that all indices should be considered in establishing material injury as none of these factors are decisive and the totality must be considered as per the international best practice.

5. IMPORTERS AND USERS:

None of the importers and users in India has made submissions for these investigations.

D. EXAMINATION AND FINDING BY AUTHORITY:

6. The submission made by the domestic industry, exporters and other interested parties have been examined and considered while arriving at these findings and wherever appropriate have been dealt hereinafter.

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION:

7. The Authority notes that the petition has been filed by M/s Eveready Industries on behalf of the domestic industry alleging dumping of Non Brass Metal flash Light originating in or exported from China PR. The Authority observes that these flashlights are used as a source of light in the case of emergency and also as a need in the dark places. The Petitioner has claimed that these flashlights are primarily of two types i.e. plastic and metal flashlights. Amongst the metal flashlights, there can be a flashlight made up of brass or it may contain Aluminium or sheet metal on the basis of economy. These flashlights have been reported to be imported under ITC classification 851301 and 851305, which attracts a basic customs duty of 35% (2002 budget). The petitioner has requested that while components of subject goods are not included in the present scope of the petition, imports of the subject goods in semi-knocked down conditions may be included in the scope of the present petition.

The Authority in this regard also notes the claim of the exporter that Non Brass Metal flashlight has only been produced in China PR from low cost local steel in a range of different models. The exporter has further claimed that applicant manufactures models that have a non-brass metallic exterior and inner lining made from brass.

The Authority has noted the submissions made by the exporter and also by the domestic industry on the product under consideration and holds that the present investigation covers non-brass metal flashlights made out of non-brass metals, which may be Aluminium, sheet metal, or other non brass metals. The Authority also holds that plastic flashlights are not within the scope of the investigation. Amongst metal flashlights, brass flashlights are also not under the scope of the investigation. As regards the claim of the domestic industry to include this product in SKD forms, the Authority holds that the product under consideration in this investigation is non-brass metal flashlights in all its forms including 2-cell small, 2-cell large and 3-cell large either in compact form or in SKD conditions. However, components used in this product individually are not within the scope of this investigation and hence are not product under consideration. As the product under consideration does not have exclusive Customs classification, the petitioner has collected information about import of subject goods from secondary sources, which contain information with

regard, inter alia, description, beam length and size in terms of small, medium and large flashlights. Therefore the authority holds that product under consideration is non-brass metal flashlights also known as torches. These could be mainly either 2-cell small, 2-cell large and 3-cell large made out of non-brass metals, which may be Aluminium, sheet metal or others. The product is classified under Customs Act No. 85131001 and 85131005 and are imported under OGL conditions attracting a basic customs duty of 35% (2002 Budget).

The Authority observes that the product under consideration in this investigation is Non Brass Metal Flash Light. Plastic and brass torches are not included in the investigation. It is further observed that the product is not classified under dedicated customs classifications, as all types of flashlights with or without battery, plastic, non-brass metal as well as brass, except some exceptions, are classified under ITC HS subheading 85131001 and 85131005. The product under consideration carries a basic customs duty of 35% (2002). Thus the Authority observes that the product under consideration is Non brass Metal flashlight with various sizes in terms of 2 cell small, 2 cell large and 3 cell large either in compact form or in SKD conditions.

LIKE ARTICLE

Rule 2(d) of the Anti Dumping rule specifies that Like Article is an article, which is identical and alike in all respects to the product under investigation or in absence of such an article, another article having characteristics closely resembling those of the articles under examination.

The Authority notes that the Petitioner has claimed that the goods produced by them are like articles to the goods originating in or exported from subject country. The petitioner has further submitted that non-brass metal flashlights are technically and commercially substitutable between them and are used interchangeably. The exporter has claimed that petitioner's flashlight utilised brass for inner lining and hence may not be called non-brass metal flashlight. The exporter has further claimed that they mainly use two-cell and have three gear switches compared to the single gear switch ordinarily found in the applicant's flashlight and the aperture adjustment of the subject goods from China is by wheeling the head of subject goods while in the flashlights sold by the applicant the aperture adjustment is by pushing the tail of the flashlight. The exporter has further claimed that subject goods exported from China are made from low cost local Chinese cold rolled steel resulting in lighter weight while the metal/brass flashlight

sold by the applicant ordinarily uses brass metal as the basic raw material.

The petitioner has claimed that there is no major difference in the characteristics of non-brass metal flashlights produced by the domestic industry and those imported from China PR. These are comparable in terms of their features such as physical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, specifications, distribution and marketing, pricing and tariff classification of goods. The consumer can use the flashlights imported from the subject country and flashlights produced by the domestic industry interchangeably.

The Authority observes that issues like 3-gear switches and aperture adjustment by head wheeling does not render the imported product as unlike product as they can be easily substituted with single gear switch and aperture adjustment by tail pushing. As regards the claim of exporter that the subject goods manufactured by applicant exporter has brass lining on inside, the Authority observes that the Non-brass metal flashlight manufactured by the petitioner does not have brass linings on its inner side. However the petitioner does use some brass strips for switch strip, switch contact stp and eyelet. The Authority holds that by using these components from brass, the flashlight cannot be termed as Brass Flashlight as claimed by the exporter. Similarly, the cooperating exporter has also given an account of the raw material used in the product being manufactured by one manufacturer from China PR and they also have confirm that they use small quantities of brass flakes as their raw materials for their Non Brass metal flashlight. The cooperating exporter M/s Guangxi Wuzhou Boyee Trading Ltd, China PR has also supplied information from one of the manufacturers from China PR whose product lines indicate that they manufacture and export Non brass metal flash light with **various FT's indicating length of beams**. Investigation by the Authority from product brochure of subject country made available by the domestic industry have further revealed that Non Brass Metal flash lights are produced in a large number of Models/Sizes in the subject country. However these large number of models/sizes could be grouped and classified in terms of 2 cell small produced by the domestic Industry and corresponding to 200 FT to less than 350 FT being exported from China PR. Similarly 2 cell large and 3 cell large Non Brass Metal flashlights have been grouped and classified as corresponding to ranging from 350Ft to less than 500FT and 500FT or more respectively. None of the importers mentioned in the petition have responded with any information and no contrary information has been placed before the Authority to suggest or dispute petitioner's information regarding import of subject goods. The Authority, in view of the submissions, made by the exporters and the domestic industry and keeping in view the substitutability and inter-

changeability of the Non Brass Metal Flash Light from subject country and those produced by domestic industry considers the subject goods and domestically produced as like products per Rule 2(d) for the purpose of preliminary determination.

De Minimus Limits:

The petitioner has submitted the import data of subject goods from subject country for the period of investigation from the DGCI&S and also from the data taken from the secondary sources. The Authority observes that since the customs sub heading as mentioned in the product under consideration is not exclusive to the subject goods, the volume shown in the DGCI&S import would also reflect torches other than subject goods (plastic or brass). The Authority has examined the transaction wise data submitted by the petitioner through secondary sources and has further culled out the import data of the subject goods. The data from these sources indicate that the import of subject goods from China PR during the POI is above the de minimus levels.

F. DOMESTIC INDUSTRY:

8. The petition has been filed by M/s. Eveready Industries India Limited, Kolkata. The exporter has claimed that production data submitted by the petitioner comprises of all the flashlights produced by it and hence should not counted for the purpose of standing. The Authority has verified the production data of the petitioner with regards to Non brass metal flash light only and observes that they account for almost 77% of total Indian production of subject goods in India. Accordingly, the petitioner satisfies the criteria of standing to file the petition on behalf of the Domestic Industry in terms of Rule 5(3) (a) of the Rules supra.

G. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN:

9. Under Section 9A(1) (c) of the Customs Tariff Act 1975, Normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting

country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-

- (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (b) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

10. CHINA PR:

The Authority sent questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)(c). Only one of the exporters from China PR i.e. M/s. Guangxi Wuzhou Boyee Trading Ltd. China PR., has responded to the Authority with replies to the appendices mentioned in the Exporter's Questionnaire. However, the exporter has claimed that they have not exported the subject goods to India or in the domestic market or to the third countries during the POI. However, they have submitted the details of domestic prices of subject goods in China sold by other manufacturer. They have requested to the Authority that the normal value of the subject goods may be determined in accordance with the domestic sales price of the subject goods in China of other producers/companies.

The Authority observes that since the exporter has neither sold the subject goods in the domestic market and nor they have exported to the other countries, the normal value and the dumping margin for this exporter cannot be determined as per Section 9(a) 1(c) . The cooperating exporter M/s M/s. Guangxi Wuzhou Boyee Trading Ltd. China PR may get their case investigated through New Shipper Review

as per Rule 22 of the Anti Dumping Rules under the Customs tariff Act 1975.

H. Other Exporters from China PR

11. The Authority provided opportunity to the known exporters from China PR to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the Embassy of China in India also. However, no exporters from China PR have responded to the Authority's request for information. The claim made by the petitioner with regard to the determination of normal value has also not been disputed by the other interested party (ies). Under the circumstances Normal value under the rules is determined on the basis of facts available as per rules 6 (8). Therefore the information available on the estimated costs of the production in the country of origin plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit after making reasonable adjustments has been taken as the basis for working out the normal value of the subject goods in China PR.

Under the circumstances Normal value under the rules is determined on the basis of facts available as per rules 6 (8). Therefore the information available on the estimated costs of the production in the country of origin plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit after making reasonable adjustments has been taken as the basis for working out the normal value of the subject goods in China PR.

The Normal value determined by the Authority for all exporters from China PR comes to US\$ ****, US\$**** and US\$ **** for 2 cell small, 2 cell large and 3 cell large.

EXPORT PRICE:

The Authority has taken into account the transaction wise data furnished from secondary sources M/s Asis Infotech Pvt Ltd, Mumbai for calculating the quantum of exports and their value from China PR to India as no transaction wise data was made available by the DGCI&S for the POI. The Authority has culled out data pertaining to Non Brass Metal flashlight from the transaction wise data submitted by the petitioners from the secondary sources and these have been further grouped into subject goods having beam lengths (200-350FTs), (350-500FTs) and more than 500 Fts. The Authority has compared these subject goods with 2-cell small, 2 cells large and 3 cell large Non Brass Metal Flashlight being manufactured by the domestic Industry.

For working out ex factory price at the FOB level, the Authority has made adjustments towards inland freight and insurance and overseas freight and insurance as suggested by the petitioner. The Authority has accepted these adjustments for the limited purpose of preliminary determination for calculating the net export price at ex factory level from China PR to India subject to further examination and verification. After adjustments, the net export price at ex factory level comes to US \$ ****/unit for Non Brass Metal Flashlight: (2 cell small) and US \$ ****/unit (For Non Brass Metal Flashlight (2 cell large) and US\$ **** /unit for Non Brass metal flashlight (3 cell large)

DUMPING MARGIN:

12. The principles governing the determination of normal value, export price and the dumping margin as laid down in the Custom Tariff Act and the Anti Dumping Rules are elaborated in Annexure I to the Rules. As the cooperating exporter has not exported any subject goods to India nor have they sold it in their own country or to other countries, Dumping margin cannot be determined for M/s M/s. Guangxi Wuzhou Boyee Trading Ltd. China PR. However as elsewhere mentioned, they may come to the Authority for a New Shipper Review under Rule 22 of Anti Dumping Rules. The dumping margin for other exporters of subject goods from China PR is assessed by the Authority at US \$ ****/unit or. 693% of the export Price for Non Brass Metal Flashlight (2 cell small), and US \$ per unit or 468% of the export price for Non Brass Metal Flashlight (2 cell large) and US\$... or 798% of the export price for Non Brass Metal Flashlight (3 cell large) .

13. Dumping Margin:

Dumping Margin Calculation for Non Brass Metal Flashlight for imports from China PR (US\$)

All Exporters from China PR (Without battery)	Description	NV	EP	DM	DM%
	NBMFL 2 cell small	****	****	****	693
	NBMFL 2 cell large	****	****	****	468
	NBMFL 3 cell large	***	****	***	798

I. INJURY:

14. Under Rule 11 supra, Annexure -II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the Rules supra.

Views of the Petitioners:

1. Petitioner submits that there are three possible types in which the goods have been imported. Statement of production and sales of various types for the petitioner for the past three years would show that production and sales of 3 large cells subject goods is less than 10% of the total production.
2. Imports of Flashlights from China have increased significantly in absolute terms. It is submitted that the actual volume of imports is much higher than what is shown here. Petitioner has given every benefit of doubt with regard to import information to the exporters and has reported lowest possible volumes. However, petitioner is fully aware that the actual volume of imports is much more than what has been shown here.
3. The share of imports from China in imports of Flashlight in India increased significantly. Share of imports is actually more, but for the most conservative approach adopted by the petitioner with regard to assessment of import volumes.
4. It could be observed that the production and capacity utilization of the domestic industry has drastically declined. The decline in production levels is in spite of significant decline in the production levels of the SSI units.

5. Sales volumes of the domestic industry declined significantly. As a direct consequence, the production and capacity utilization got adversely affected.
6. It would be seen that the selling prices have not materially declined. This is due to the fact that there is very low margin available to the domestic industry. The product is sold at retail level, through a long chain of distribution. As such the domestic industry could not afford to reduce the prices.
7. Landed price of imports is very significantly lower than the selling price of the domestic industry. Resultantly, the domestic industry has lost significant sales volume and market share. Some of the companies in the SSIs have already closed their plants. Should the present trend continue, the profitability of Eveready would be seriously affected.
8. Landed price of imports is significantly below the cost of production of the domestic industry. Resultantly, the domestic industry is facing severe price suppression/depression.
9. Landed price of imports is so low that the petitioner cannot even think of reducing the prices to push the sales volumes.
10. In spite of reduction in production, the domestic industry is faced with increasing inventory levels as per the data submitted.
11. Profitability of the domestic industry has got eroded as may be seen from the statistics submitted by the petitioner. While companies in SSI could not face the brunt, companies like Eveready are also finding difficult to survive in this sector viz. Metal Flashlights.

J. EXAMINATION BY THE AUTHORITY

15. Analysis of Injury to the domestic industry has been done on the basis of the information available on record and the verification done by the officials of Directorate of Anti-Dumping & Allied Duties.

Volume Injury

1. Absolute increase in Quantum of Imports from China PR

To ascertain the quantum of imports, the Authority has considered the import statistics of the subject goods made available by DGCI&S, and data from secondary sources... As the customs sub classification of this subject good is not exclusive, the Authority has taken into account transaction wise information made available through secondary sources for working out the imports from China PR and countries other than China PR

The domestic industry has claimed that imports from China PR have increased in absolute terms and their share has also increased significantly. The Authority has examined the import statistics during the POI and two years prior to it and concludes that there has been a rapid increase of imports from China PR in absolute terms. The Authority observes that imports have creased in relation to the production of the domestic Industry. Thus, the authority concludes that there has been a very significant increase in imports from China PR for the subject goods during the POI as compared to the previous years.

Import of Subject goods during the POI source DGCIS					
	units	99-00	00-01	2001-2002	POI
Subject C	000 pcs	600	1193	2248	1974
Others	Do	204	973	581	262
Total Imp	Do	804	2166	2829	2236

Import of Subject goods during the POI source Secondary Sources					
	Units	99-00	00-01	2001-2002	POI
Subject C	000 pcs	600	797	2723	2689
Others	Do	204	-	38	37
Total Imp	Do	804	797	2761	2726

ii) Market share of Imports:

The Authority observes that the share of China PR in the total imports of Non Brass Metal Flashlight has increased and as a consequence, the share of domestic industry has declined significantly.

iii) Market Share of Imports from China PR in Total Imports (%)

Market share in Imports					
	Units	99-00	00-01	2001-2002	POI
Subject C	%	75	100	99	99
Others C	%	25	0	1	1
Total	%	100	100	100	100

(iv) Share of imports from subject countries as a proportion to demand.

The Authority has calculated the total demand in the country by adding the total imports to the sales of the domestic industry of the product under consideration. The Authority notes that the share of China PR in total demand of the subject goods has increased during the POI while the share of other imports has increased marginally. The share of the domestic industry in the total demand has decreased POI as compared to previous year. Thus, the Authority concludes that there has been a significant rise in the market share of imports of the subject countries as a share of total demand and it has increased significantly during the POI as compared to previous years.

Market Share of Imports in total Demand (Absolute and Percentage share)

Share in Demand					
	Units	99-00	00-01	2001-2002	POI
Domestic Industry	%	63.46	60.23	32.38	26.54
Other producers	%	18.49	17.74	12.15	10.48
Imp Subject Coun	%	13.48	22.02	54.7	62.12
Imp from Other Coun	%	4.57	.01	.76	.85

Production and Sales Volume:

v) The authority notes that the overall production and capacity utilization of the domestic industry in respect of subject goods have decreased during the POI as against previous year. The sales volume of the subject goods of the petitioner shows a significant decline during the POI as against previous year

PRICE EFFECT

16. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry the principle (iv) of Annexure-II of the Anti-Dumping Rules states:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic Industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilisation of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree. The Authority has compared the landed value of imports of subject goods from subject countries during the POI with the net sales realization and has found that there has been a significant price under-cutting by the dumped imports. The landed value of imports has been found to be significantly lower than the domestic industry's net sales realization.

The Authority has also examined the claim of the petitioner that the domestic industry is suffering on account of the losses from the sale of Non Brass Metal Flashlight. The Authority notes that price underselling is an important indicator to make an assessment of the injury. The Authority has worked out the Non-injurious price for the product under consideration and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The analysis shows a significant level of incidence of price underselling causing injury to the domestic industry. Additionally, the imports were having significant suppressing/ depressing effect on the prices in the domestic market, as the domestic industry had not been able to raise its selling price in view of the dumped imports of the subject goods. Thus examination of the available evidence shows that the domestic industry as a whole has suffered injury on its sales of subject goods during POI. The Authority has determined the extent of price undercutting during the POI and concludes that the domestic industry has suffered significant price undercutting and price underselling during the POI because of import from the subject country.

Price Undercutting in Non Brass Metal Flash Light (in Rupees) for 1000 pieces

2 cell small

	POI
Landed V	****
Sell Price	****
Price UC	****

2 cell large

	POI
Landed V	****
Sell Price	****
Price UC	****

3 cell large

	POI
Landed V	****
Sell Price	****
Price UC	****

Selling Price & Profitability:

17. The Authority observes that the sales realization of the subject goods have not increased during the POI and in fact these are at the same level as during AM 2001 and AM 2000. The Authority observes that the petitioner has been incurring losses on the sale of the subject goods during the POI.

The authority notes that for subject goods the selling prices of the domestic industry is significantly below the price, which would have permitted the domestic industry, a fair recovery of its cost of production and earn a reasonable return. Thus, the dumped imports have prevented the domestic industry from effecting legitimate price increase to realise a reasonable price. The industry has suffered material injury on account of depressed selling prices

resulting in non-recovery of cost of production and thereby suffering financial losses.

18. Other injury parameters evaluated by the authority are as follows:

- a. The Return on the Investment has declined during the POI as compared to previous year.
- b. There is a marked rise in the closing stocks of finished goods during POI indicating that there is a significant change in the inventory position of the domestic industry during the period of investigation as compared as previous year.
- c. The wages of the employees have declined during the POI as compared to previous year.

Other Injury parameters

	Units	99-00	2000-01	2001-02	POI
Capacity of all types	K Pcs	3500	3500	3500	3500
Prod of Subject goods	Index	100	83	76	71
Cap Utilisation	%	77	64	59	56
Sales Domestic	Index	100	77	57	54
Closing stock Vol	Index	100	113	193	194
Employment	Index	100	100	92	91
Productivity	Index	100	100	108	97
Wages Per Emp	Index	-	100	77	77
Increase in sales/previous	Index	100	77	57	54
Total Profits	Index	100	141	-7	-93

Conclusions on Injury

From the foregoing, the following conclusions are made by the Authority regarding injury suffered by the domestic industry

1. Imports from the subject country of subject goods have increased significantly in absolute terms.
2. Imports from subject country have increased in relation to total imports of Non Brass Metal Flashlight in India.
3. Imports from the subject country have increased in relation to the demand of Non Brass Metal Flashlight in India.
4. Imports are significantly undercutting the selling prices of the domestic industry.
5. The petitioner is suffering from price underselling also as landed price of subject goods are below the Non Injurious price or fair selling price of the domestic industry.
6. The petitioner is suffering from price suppression/depression as landed price of the subject goods from subject country are less than cost of production of the domestic industry.
7. The domestic industry has suffered losses on account of sales on subject goods. In fact, they have incurred losses during the POI along with their loss of sales volume during the same period.
8. On the basis of the foregoing, the Authority observed that the domestic industry has suffered volume as well as price injury. On the whole, the domestic industry has suffered material injury.

K. CAUSAL LINK:

19. In determining whether injury to the domestic industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts: -

(i) In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports from the subject country, the Authority holds that the increase in the quantum of import from the subject country resulted in the curtailment of market share of the petitioner. In considering the effect of dumped imports of Non Brass Metal Flashlight, the Authority has found that based on the close resemblance of their chemical characteristics and usage these are like article to the domestically produced Non Brass Metal Flashlight. Import of Non Brass Metal Flashlight from the subject country had the effect to displace the demand of domestically produced Non Brass Metal Flashlight. The Authority holds that substantial increase in imports of subject goods have contributed to the increase in imports in absolute terms. This had the effect of undercutting the prices of domestic industry to sell below its fair selling price of the subject goods and this

has been accompanied with the reduction in sales volumes of the subject goods. Thus, the Authority has found that Substantial imports of subject goods from China PR at dumped prices forced the domestic industry to reduce its selling prices of Non-Brass Metal Flashlight to unremunerative level, which has resulted in a situation of price undercutting in the Indian market. Also with regard to subject goods, the landed price of imports from subject country is well below the selling price of the domestic industry, which is resulting in price undercutting in the Indian Market. The Authority has also examined the volume of imports of subject goods from countries other than China PR and after examining the transaction wise data, it is observed that market share of countries other than China PR is only 1% of the total imports into the country during the POI.

(ii) The imports from China PR suppressed the prices of the product Non Brass Metal Flashlight in the Indian market to such an extent that the domestic industry was prevented from recovering its full cost of production and earn a reasonable profit from the sale of subject goods in India.

20. The Authority, therefore, notes from the above that the imports of subject goods from the China PR have been at a price below the non-injurious price for the domestic industry. Imports from other countries form a very insignificant proportion of the market share of total imports into the country. The Authority could not find any evidence of contraction of demand, change in pattern of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers. It is also noted that developments in technology has not been a cause for injury to the domestic industry. These parameters collectively and cumulatively indicate that the petitioner has suffered material injury due to the dumped imports.

L. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST:

21. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the

decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods.

The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from China PR in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

M. CONCLUSIONS:

22. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- A. Non Brass Metal Flashlight or product under consideration has been exported to India from the subject country below its normal value.
- B. The Indian industry has suffered material injury;
- C. The injury has been caused by the dumped imports from Subject Country.

23. The Authority considers it necessary to impose an anti dumping duty provisionally, pending final determination, on all imports of Non Brass Metal Flashlight (2 cell small, 2 cell large and 3 cell large) in order to remove the injury to the domestic industry. The margin of dumping determined by the Authority is indicated in the paragraphs above. The Authority proposes to recommend the amount of anti dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports is proposed to be compared with the non-injurious price of the petitioner company determined for the period of investigation.

Accordingly, the Authority recommends that the provisional anti dumping duties be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of Non Brass Metal Flashlight either in compact or in SKD conditions on types ranging from 2 cell small, 2 cell large, 3 cell large (all without battery) falling UNDER Custom Heading 851310 originating in or exported from Peoples Republic of China pending final determination. In the event of description of subject goods not specifically indicated while importation, the highest duty would be applicable to such categories. The Anti-Dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in column 3 of the following table and the landed value of imports per thousand pieces. to be imposed from the date of Notification to be issued in this regard by the Central Govt on all the imports of subject

goods falling under Chapter 29 of the Customs Tariff, originating in or exported from the countries mentioned below: -

Serial Number 1	Country/Exporter 2	Description 2A	Amount (US \$ Per Thousand piece) 3
	China PR All Exporter	Non Brass Metal flash Light (2 cell small Conforming to Battery size AA without battery)	680
		Non Brass Metal flash Light (2 cell large Conforming to Battery size D without battery)	838
		Non Brass Metal flash Light (3 cell large Conforming to Battery size D without battery)	1608
		Non Brass Metal Flashlight (Unspecified) Without battery	1608

24. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

N. FURTHER PROCEDURE:

25. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- (b) Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would provide opportunity to all the interested parties for making oral submissions, which have to be rendered thereafter in writing;
- (d) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary.
- (e) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority